



वो मुझे मल्लि भी तो कहा फेसबुक पे पर म? सचची परेम कहानी

जसिे नजरु ने दूढा इधर उदार उससे हम जा मलिे फेसबुक पर जकिर तो उनका कर नहीं सकता आपनी दूटी फूटु अलफाजु से अब आगे कया सुनाऊ उसकी भूली बशिरी यादु कु !

वु महीने का कुन सा तारकि है मुझे नहीं पता रुरु कतिहर सुबह सुबह पापा अरे अभी तक सु रहे हु कुलु उठ सुबह के १० बजने वाले है कया तुझे कुई कुम धाम नहीं मलिता आज कुल तो पढाई से तु तुम्हारा कुई मतलब ही नहीं रहता इतने में माँ ने पापा से कही कुरयिे भी न माँ कुबिात सुन पापा अपने कुम पे कुले गये पापा के जाते ही मन ही मन कया सुबह सुबह पापा कुडिात खानी पडती है माँ कुेा कुलु मुह हाथ धु के नासुता कर लु मै भी नासुता करके पढाई कुड खलने कु कुला गया मुझ पापा कुबिात का जैसे कुई फकिर ही नहीं हुई अब कया था मै उस दनिे अपने दुसुतु कुे साथ खेल ही रहा था तभी कुकु दुसुतु कुे फेसबुक कुलते हुए देखा वे अपने कुुबाइल मै ही अपना फेसबुक अकाउंट कुला रहे थे मैने भी अपने दुसुतु कुे कहा मेरा भी फेसबुक अकाउंट बन दु न तभी मेरे दुसुतु कुे मेरा फेसबुक अकाउंट बना दयिा मै भी फेसबुक अकाउंट बना लयिा कुकु दुसुतु कुे फरेंडस रक्विेसुट सेंड कर दयिा अब मुझे फेसबुक कुलाना बहुत ही अकुुला लगाने लगा फेसबुक यूज करने के लएिे मै अपनी माँ के कहा कुिु कुे मुझे पापा से एक कुुबाइल दलिा दे मै कुुब जदिद कयिा तु माँ ने पापा कुह मुझे एक कुुबाइल दलिा दी अब कया था मै अरु बगिर गया अब तु बस मै फेसबुक पे ही लगा रहता अकानक एक दनिे मुझे एक लडकी का फरेंडस रक्विेसुट आया अरु मै उसकुु एकसेपुट कर लयिा पता नहीं उस दनिे मुझे कया हु गया मै उसी कयिाद सारा दनिे बलिा दयिा अब तु अपनी भी फकिर नहीं हुती ये मुझे कया हु गया शायद मुझे उस कुिुरुफाइल इमेजेज ही कुैक नहीं करनी चाहएिे थी अब तु मेरे आखुे मै उसी कुिुरुफाइल इमेजेज सामने आ रही थी बाद में मै भी उसे मेसेज कयिा तु हम कुु तुरनुत ही उस मैसेज का कुुबाब मलि गया अब कया था हम दुनु कुे बीच दुसुती बढती ही गई अब दुसुती कुु पयार मै तपुदलि हु गई मुझे पता भी नहीं कुला हम दुनु कुे बकुि पयार अरु नजदुीकयिे बढती ही जा रही थी अरु हम दुनु कुे एक दुशरे कुु पा के काफी खुश थे पर आप तु वु कहानी सुनी ही हुगी न कुिपयार का पहला ही अकुषर ही आधुरा है तु फरि आज ये पुरेम कहानी कुैसे पुरी हु सकती है आज मै ये बाते इसीलएिे कर रहा हुँ कुुयुकुिे मै उसे कुुड कर आपने मासी के घर कुु जा रहा हुँ !

आज मै अपने मासी के घर आ गया हुँ फरि भी उसकी यदु काफी आ रही है मन भी नहीं लगरह है यहाँ मेरे कुई दुसुत भी नहीं है कुु मै उन से जा के बात करके अपना मन बहला लू मै कुुपकुाप उसकुु याद ही कर रहा था कुतिभी अकानक उस कुुकुल आ गई मै एक दम से काफी खुश हु गया कुलु उसकी आवाज तु सुनने कुु मलिगी पर ये कया मै फुन पे उस कुिहकुिकयिे ससिकती आवाजु कुु सुन कर मै एक दम से दंग ससा रह गया वु काफी रु रही थी मेरे काफी मनाने के बाबजुद वु कुुप हुई अब तु मरी जन में जन आई अगर आज वु मेरे सामने हुती तु मै उससे जा के लपिा कुलु पर मै कया करता वु तु मुझसे काफी दूर थी फरि मैने पूकुा तुम्हे कया हुआ तु उसने अपनी लडखडती हुई दबी डरी कुुबानु से बुले मरी शादी तैय हु गई है इतनी बातु कुु सुनने के बाद तु मेरी पाव तले जमीन ही खसिक गई मै तु एक दम सा रह गया न जाने आज ये मुझपे कुुन सा कुहर दूट गया फरि भी मने उसे हुँसाने के लएिे उसी कुिकिही अनकुही सुनी अनसुनी एक सुनहरा सा अलफाज कुह डाला इस अलफाज में मै अपने मन से कुकु कुुड कर कुह डाला !

{मेरे दलिे जीगर लीवर मे थी तुम बकुुत बेबकुुत आई फीवर थी तुम अब तु मेरे लाइफ मै नुुट फॉरएवर हु कुुकी हु तुम माई डीयर आई मसि यु }

Not a fack story that is true
Written by story
बैजु सहि राठौर